# Oster-Tafel, in welcher man bis anno 1800 sehen kan / auf welchen Tag die Ostern alle Jahr falle

Autor(en): **[s.n.]**

Objekttyp: **Article**

Zeitschrift: **Der grosse historische Appenzeller-Kalender auf das Jahr ...**

Band (Jahr): **17 (1738)**

PDF erstellt am: **14.05.2024**

Persistenter Link: https://doi.org/10.5169/seals-371129

**Nutzungsbedingungen**

Die ETH-Bibliothek ist Anbieterin der digitalisierten Zeitschriften. Sie besitzt keine Urheberrechte an den Inhalten der Zeitschriften. Die Rechte liegen in der Regel bei den Herausgebern.
Die auf der Plattform e-periodica veröffentlichten Dokumente stehen für nicht-kommerzielle Zwecke in Lehre und Forschung sowie für die private Nutzung frei zur Verfügung. Einzelne Dateien oder Ausdrucke aus diesem Angebot können zusammen mit diesen Nutzungsbedingungen und den korrekten Herkunftsbezeichnungen weitergegeben werden.
Das Veröffentlichen von Bildern in Print- und Online-Publikationen ist nur mit vorheriger Genehmigung der Rechteinhaber erlaubt. Die systematische Speicherung von Teilen des elektronischen Angebots auf anderen Servern bedarf ebenfalls des schriftlichen Einverständnisses der Rechteinhaber.

**Haftungsausschluss**

Alle Angaben erfolgen ohne Gewähr für Vollständigkeit oder Richtigkeit. Es wird keine Haftung übernommen für Schäden durch die Verwendung von Informationen aus diesem Online-Angebot oder durch das Fehlen von Informationen. Dies gilt auch für Inhalte Dritter, die über dieses Angebot zugänglich sind.

Ein Dienst der *ETH-Bibliothek*
ETH Zürich, Rämistrasse 101, 8092 Zürich, Schweiz, www.library.ethz.ch

**http://www.e-periodica.ch**

# Oster-Tafel,

In welcher man bis Anno 1800. sehen kan / auf welchen Tag die Ostern alle Jahr falle.

| Jahr Zahl. | Alte Ostern | Neue Ostern | Unterscheid wie vil Wochen. |
|---|---|---|---|
| 1739 | 22 Ap. | 29 Me. | 5 |
| 1740 | 6 Ap. | 17 Ap. | 0 |
| 1741 | 29 Me. | 2 Ap. | 1 |
| 1742 | 18 Ap. | 25 Me. | 5 |
| 1743 | 3 Ap. | 14 Ap. | 0 |
| 1744 | 25 Me. | 5 Ap. | 0 |
| 1745 | 14 Ap. | 18 Ap. | 1 |
| 1746 | 30 Me. | 10 Ap. | 0 |
| 1747 | 19 Ap. | 2 Ap. | 4 |
| 1748 | 10 Ap. | 14 Ap. | 1 |
| 1749 | 26 Me. | 6 Ap. | 0 |
| 1750 | 15 Ap. | 29 Me. | 4 |
| 1751 | 7 Ap. | 11 Ap. | 1 |
| 1752 | 29 Me. | 2 Ap. | 1 |
| 1753 | 11 Ap. | 22 Ap. | 0 |
| 1754 | 3 Ap. | 14 Ap. | 0 |
| 1755 | 23 Ap. | 30 Me. | 5 |
| 1756 | 14 Ap. | 18 Ap. | 1 |
| 1757 | 30 Me. | 10 Ap. | 0 |
| 1758 | 19 Ap. | 26 Me. | 5 |
| 1759 | 11 Ap. | 15 Ap. | 1 |
| 1760 | 26 Me. | 6 Ap. | 0 |
| 1761 | 15 Ap. | 22 Me. | 5 |
| 1762 | 7 Ap. | 11 Ap. | 1 |
| 1763 | 23 Me. | 3 Ap. | 0 |
| 1764 | 11 Ap. | 22 Ap. | 0 |
| 1765 | 3 Ap. | 7 Ap. | 1 |
| 1766 | 23 Ap. | 30 Me. | 5 |
| 1767 | 8 Ap. | 19 Ap. | 0 |
| 1768 | 29 Me. | 3 Ap. | 1 |
| 1769 | 19 Ap. | 26 Me. | 5 |
| 1770 | 4 Ap. | 15 Ap. | 0 |
| 1771 | 27 Me. | 31 Me. | 1 |
| 1772 | 15 Ap. | 19 Ap. | 1 |
| 1773 | 31 Me. | 11 Ap. | 0 |
| 1774 | 20 Ap. | 3 Ap. | 4 |
| 1775 | 12 Ap. | 16 Ap. | 1 |
| 1776 | 3 Ap. | 7 Ap. | 1 |
| 1777 | 16 Ap. | 30 Me. | 4 |
| 1778 | 8 Ap. | 19 Ap. | 0 |
| 1779 | 31 Me. | 4 Ap. | 1 |
| 1780 | 19 Ap. | 26 Me. | 5 |
| 1781 | 4 Ap. | 15 Ap. | 0 |
| 1782 | 27 Me. | 31 Me. | 1 |
| 1783 | 16 Ap. | 20 Ap. | 1 |
| 1784 | 31 Me. | 11 Ap. | 0 |
| 1785 | 20 Ap. | 27 Me. | 5 |
| 1786 | 12 Ap. | 16 Ap. | 1 |
| 1787 | 28 Me. | 8 Ap. | 0 |
| 1788 | 16 Ap. | 23 Me. | 5 |
| 1789 | 8 Ap. | 12 Ap. | 1 |
| 1790 | 24 Me. | 4 Ap. | 0 |
| 1791 | 13 Ap. | 24 Ap. | 0 |
| 1792 | 4 Ap. | 8 Ap. | 1 |
| 1793 | 24 Ap. | 31 Me. | 5 |
| 1794 | 9 Ap. | 20 Ap. | 0 |
| 1795 | 1 Ap. | 5 Ap. | 1 |
| 1796 | 20 Ap. | 27 Me. | 5 |
| 1797 | 5 Ap. | 16 Ap. | 0 |
| 1798 | 28 Me. | 8 Ap. | 0 |
| 1799 | 17 Ap. | 24 Me. | 5 |
| 1800 | 8 Ap. | 12 Ap. | 1 |

NB. Wo Me. stehet, bedeut es Mertz, wo aber Ap. stehet, bedeut es Aprill.

# Von der Fest-Rechnung des Alten Calenders.

WEilen man vor deme erfahren, daß in denen **Calendern**, so ausser unserm Vatter-Lande auf die alte Zeit gemacht werden, die **Ostern** unrecht und 8. Tag zu früh gesetzet worden. Daraus viele Confusion und Unordnung entstanden: Als habe solchem vorzukommen, hiemit auf vorher gegangenem Blat die **eigentliche, rechte** und **wahre Zeit** der Ostern wann sie müsse gehalten werden, bis Anno 1800. beysetzen und dem Leser mittheilen wollen, darauf man sich verlassen darf, und von Jahr zu Jahr nachschlagen kan auf welche Zeit, so wol die **alte** als **neue Ostern** einfället.

Was aber die Ostern im Regenspurgischen Calender, welchen die übrigen Reformierten An. 1700. angenommen, betrifft: So fället selbige allezeit mit der neuen Ostern auf den gleichen Tag, ausgenommenen An. 1744. 1778. und 1798. in welchen Jahren sie 8. Tag vor der neuen Ostern gehalten wird.

---

## Regenten-Tafel 1738.

| Geburt | | Erwehlung | Alter |
|---|---|---|---|
| 1652 | Clemens der XII. Römisch Pabst. | 1730 | 86 |
| | **Kayser.** | | |
| 1685 | Carolus VI. Römischer Kayser. | 1711 | 52 |
| 1696 | Mahomet V. Türckische Kayser. | 1730 | 42 |
| 1693 | Anna Iwanowna, Kayserin in Rußland. | 1730 | 45 |
| | Muley Hamet Abdalla, Kayser von Marocco. | 1736 | |
| | **Könige.** | | |
| 1710 | Ludovicus der XV. König in Franckreich. | 1715 | 28 |
| 1683 | Philippus der V. König in Spanien. | 1700 | 55 |
| 1683 | Georgius der II. König in Engelland. | 1727 | 55 |
| 1689 | Johannes der V. König in Portugall. | 1707 | 49 |
| 1699 | Christianus der VI. König in Dännemarck. | 1731 | 39 |
| 1676 | Fridericus der I. König in Schweden. | 1720 | 62 |
| 1696 | Augustus der III. König in Polen. | 1733 | 42 |
| 1688 | Fridericus Wilhelmus der I. König in Preussen. | 1713 | 50 |
| 1701 | Carolus Emanuel Victor, König in Sardinien. | 1730 | 37 |
| | **Geistliche Chur-Fürsten.** | | |
| 1666 | Maynz, Carolus Philippus von Elst. | 1722 | 72 |
| 1682 | Trier, Franciscus Georgius | 1729 | 56 |
| 1700 | Cölln, Clemens Augustus. | 1723 | 38 |
| | **Weltliche Chur-Fürsten.** | | |
| 1697 | Bayern, Carolus Albertus. | 1726 | 41 |
| 1696 | Sachsen, Fridericus Augustus, König in Polen. | 1733 | 42 |